بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ
لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ

دفتر مجلس انصاراللہ بھارت

Office Of The Majlis Ansarullah Bharat

Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob:9682536974, E-Mail.: ansarullah@qadian.in

24.03.2023 محلہ احمدیہ قادیان143516 ضلع گورداسپور(پنجاب) انڈیا

हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के विवेक पूर्ण कथनों की रोशनी में क़ुर्आन करीम की श्रेष्टता, महत्ता, स्तर एवं महानता का बयान।

जमाअत के दोस्तों को पाकिस्तान, बर्कीना फ़ासो तथा बंगला देश के अहमदियों के लिए दुआ की पुनः प्रेरणा।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हजरत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसिरिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 24 मार्च 2023, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَّا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ. بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ. الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. مٰلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ. اِيَّاكَ نَعْبُدُ وَ اِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ. اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ. صِرَاطَ الَّذِيْنَ اَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ. غَيْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّآلِّيْنَ.

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः एवं सूरः जुम्अः की आयता هُوَ الَّذِیۡ بَعَثَ فِی الۡاُمِّیّٖنَ رَسُوۡلًا مِّنۡہُمۡ یَتۡلُوۡا عَلَیۡہِمۡ اٰیٰتِہٖ وَیُزَکِّیۡہِمۡ وَیُعَلِّمُہُمُ الۡکِتٰبَ وَالۡحِکۡمَۃَ ۚ وَاِنۡ کَانُوۡا مِنۡ قَبۡلُ لَفِیۡ ضَلٰلٍ مُّبِیۡنٍ ۙ وَّاٰخَرِیۡنَ مِنۡہُمۡ لَمَّا یَلۡحَقُوۡا بِہِمۡ ؕ وَہُوَ الۡعَزِیۡزُ الۡحَکِیۡمُ की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया- इन आयतों का अनुवाद है कि वही है जिसने उम्मी लोगों में उन्हीं में से एक महान रसूल नियुक्त किया। वह उन पर उसकी आयतों की तिलावत करता है और उन्हें पाक करता है और उन्हें किताब की और हिकमत की शिक्षा देता है जबकि इससे पहले वे निश्चित ही खुली खुली गुमराही में थे। और उन्हीं में से दूसरों की ओर भी उसे नियुक्त किया जो अभी उनसे नहीं मिले और वह सम्पूर्ण गल्बः वाला और हिकमत वाला है।

23 मार्च का दिन अहमदिया जमाअत में मसीह मौऊद दिवस के नाम से जाना जाता है। हम भाग्य शाली हैं कि हमें अल्लाह तआला ने अपने वादे और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोईयों के अनुसार ज़माने के इमाम मसीह मौऊद व महदी मअहूद अलै. को मानने का सामर्थ्य प्रदान किया। 23 मार्च 1889 को आप अलै. ने लुधियाना में बैअत लेकर निष्ठावान लोगों की जमाअत स्थापित फ़रमाई। सूरः जुम्अः की जिन आयतों की मैंने तिलावत की है उनमें आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सच्चे ग़ुलाम के आने तथा उसके द्वारा एक जमाअत को स्थापित करने की शुभ सूचना दी गई है। इसके अतिरिक्त भी अन्य आयतों तथा हदीसों में ये शुभ सूचना मौजूद है। इस समय मैं इन आयतों की व्याख्या तथा आने वाले मसीह मौऊद के ज़माने की विभिन्न निशानियाँ जो बयान हुई हैं, उनका विवरण हज़रत मसीह मौऊद अलै. के शब्दों में बयान करूँगा। इसी तरह आप अलै. का दावा क्या था, वह भी संक्षिप्त रूप में आप अलै. के शब्दों में पेश करूँगा।

इन आयतों की तफ़सीर में हज़रत मसीह मौऊद अलै. फ़रमात हैं- इन आयतों का भावार्थ यह है कि ख़ुदावंद वह ख़ुदा है जिसने ऐसे समय पर रसूल भेजा कि लोग ज्ञान एवं विवेक से रहित हो चुके थे। विवेक से परिपूर्ण दीन के ज्ञान जिनके द्वारा चतना पूरी हो तथा मानव वृत्तियाँ अपनी चरम सीमा को पहुंचे, बिल्कुल गुम हो गए थे। तब ऐसे समय पर ख़ुदा तआला ने अपना उम्मी रसूल भेजा तथा इस रसूल ने इनकी चेतना को शुद्ध किया तथा किताब के ज्ञान एवं हिकमत से उनका सुसज्जित किया अर्थात निशानों तथा चमत्कारों के माध्यम से सम्पूर्ण विश्वास के स्तर तक उनको पहुंचाया। फिर फ़रमाया- एक गिरोह और है जो अन्तिम युग में प्रकट होगा, वे भी पहले अंधकार में तथा पथभ्रष्ट होंगे। तब ख़ुदा उनको भी सहाबियों के रंग में लाएगा, यहाँ तक कि उनका सत्य मार्ग एवं विश्वास भी सहाबियों के सत्य एवं विश्वास के समान हो जाएगा। एक सही हदीस में है कि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इस हदीस के समय सलमान फ़ारसी रज़ी. के कंधे पर हाथ रखा और फ़रमाया- لوكان الايمان معلقا بالثريا لناله رجل من فارس इस ज़माने के विषय में फ़रमाया गया है कि क़ुर्आन आसमान पर उठाया जाएगा। यही वह ज़माना है जो मसीह मौऊद का ज़माना है। यह मूलतः फ़ारसी वही है जिसका नाम मसीह मौऊद है।

फ़रमाया- इस आयत का अर्थ यह है कि अंध्कार की चरम सीमा के बाद हिदायत तथा विवेक पाने वाले और आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमत्कारों तथा बरकतों के दर्शन करने वाले दो ही गिरोह हैं। पहला सहाबियों का तथा दूसरा गिरोह जो सहाबियों की भांति हैं, वह मसीह मौऊद का गिरोह है। क्यूँकि यह गिरोह भी आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमत्कारों को देखने वाला है, आजकल ऐसा ही हुआ है। अतः तेरह सौ वर्ष पश्चात आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमत्कारों का द्वार खुल गया है तथा लोगों ने अपनी आँखों से देख लिया है कि सूर्य ग्रहण एवं चाँद ग्रहण रमज़ान में दारे क़ुतनी की हदीस एवं फ़तावा इब्ने हजर के अनुसार प्रकट हो गया। फिर जुस्सिनैन तारा भी जिसका निकलना महदी तथा मसीह मौऊद के समय में बयान किया गया था, हज़ारों लोगों ने निकलता हुआ देख लिया। ऐसा ही जावा की आग भी हज़ारों लोगों ने देख ली, ऐसा ही ताऊन का फैलना तथा हज का रोके जाना भी सबने अपनी आँखों से स्वयं देख लिया। देश में रेल तय्यार होना तथा ऊँटों का बेकार हो जाना, ये सब आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमत्कार थे जो इस ज़माने में उसी तरह देखे गए जैसे सहाबियों ने चमत्कारों को देखा था। इसी कारण से अल्लाह जल्ला शानुह ने इस अन्तिम गिरोह को **'मिन्हुम'** के शब्द से पुकारा ताकि यह संकेत करे कि चमत्कारों के दर्शन में यह भी सहाबियों के रंग में हैं। सोच कर देखो कि तेरह सौ वर्ष में ऐसा ज़माना नबुव्वत के समान किसने पाया।

हमारी जमाअत को कई कारणों से सहाबियां की जमाअत से समानता है। व ख़ुदा के निशानों तथा निरन्तर ताज़ा समर्थनों से नूर तथा विश्वस पाते हैं जैसे सहाबियों ने पाया। वे ख़ुदा की राह में लोगों की धिक्कार, हंसी, ठट्टे तथा अपशब्द एवं रिश्तेदारों का छोड़ने का दुःख उठा रहे हैं जैसा कि सहाबियों ने उठाया। वे ख़ुदा के निशानों तथा आसमानी सहायता से पवित्र जीवन पाते चले जाते हैं जैसे सहाबियों ने पाया। अनेक इनमें से हैं जो नमाज़ में रोते हैं तथा सजदे के स्थानों को आंसुओं से भिगोते हैं जैसा कि सहाबी रोते थे। अनेक इनमें से वह्यी तथा इलहाम से सुसज्जित होते हैं जैसे सहाबी होते थे। जैसे यह जमाअत सहाबा के समान है वैसे ही वह व्यक्ति जो इस जमाअत का इमाम है वह आँहज़रत सल्लल्लाहु

अलैहि वसल्लम से समानता रखता है जैसा कि स्वयं आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने महदी मअहूद की ये विशेषताएँ बयान फ़रमाई हैं कि वह आप स. के समान होगा। दो समानताएँ उसके अस्तित्व में होंगी, एक समानता हज़रत मसीह अलै. के अस्तित्व से जिसके कारण वह मसीह कहलाएगा तथा दूसरी समानता आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से जिसके कारण वह महदी कहलाएगा।

अपने दावे के बारे में आप अलै. फ़रमाते हैं कि जब ख़ुदा तआला ने ज़माने की मौजूदा हालत को देख कर तथा ज़माने को तरह तरह के पाप एवं गुनाह तथा अवज्ञा से भरा हुआ देख कर मुझे सत्य के प्रचार तथा सुधार के लिए नियुक्त फ़रमाया और यह ज़माना भी ऐसा था कि लोग तेरह्वीं शताब्दी हिजरी को पूरी करके चौधवीं शताब्दी के सिर पर पहुंच गए थे, तब मैंने इस आदेश के पालन में जन साधारण को लिखित विज्ञापनों एवं भाषणों के द्वारा पुकारना शुरु किया कि इस शताब्दी के सिर पर जो दीन के पुर्नोत्थान के लिए आने वाला था, वह मैं ही हूँ ताकि वह ईमान जो ज़मीन से उठ गया है, पुनः स्थापित करूँ।

इसका क्या प्रमाण है कि आने वाले मसीह मौऊद आप अलै. ही हैं, इसके बारे में आप अलै. फ़रमाते हैं कि इसका जवाब यह है कि जिस ज़माने तथा जिस देश और जिस क़स्बे में मसीह मौऊद का प्रकट होना क़ुर्आन शरीफ़ तथा हदीसों से साबित होता है तथा जिन विशेष कार्यों को मसीह के वजूद का कारण ठहरा गया है तथा जिन धरती व आकाश की घटनाओं को मसोह मौऊद के प्रकट होने के संकेत ठहरा गया है तथा जिन ज्ञान के भंडारों एवं ईश्वरीय ज्ञानों को मसीह मौऊद की विशेषता ठहराया गया है वे सब बातें अल्लाह तआला ने मुझ में तथा मेरे ज़माने में और मेरे देश में जमा कर दी हैं। सिलसिले की प्रगति के विषय में आप अलै. फ़रमाते हैं कि आज से तेईस वर्ष पहले बराहीने अहमदिया में यह इलहाम मौजूद है कि लोग कोशिश करेंगे कि इस सिलसिले को मिटा दें, हर एक षड्यन्त्र काम में लाएँगे किन्तु ख़ुदा तआला इस सिलसिले का समर्थन सदैव फ़रमाएगा। हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि आज भी यह सिलसिला जारी है।

हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को अल्लाह तआला ने बराहीने अहमदिया में फ़रमाया था कि सुगम एवं समृद्ध भाषा के चश्मे तेरे होठों पर जारी किए जाएँगे, इस निशान का प्रमाण हुज़ूर अलै. की किताबें हैं। कई किताबें समृद्ध अरबी भाषा में लिख कर हज़ारों रुपए के इनाम के साथ प्रकाशित की गईं परन्तु कोई मुक़ाबले के लिए न आया।

दुआ की क़बूलियत के निशान के हवाले से हुज़ूर-ए-अनवर ने एक विद्यार्थी अब्दुल करीम सुपुत्र अब्दुर्रहमान, निवासी हैद्राबाद दक्कन का उदाहरण पेश फ़रमाया कि जो क़ादियान में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आए थे तथा उन्हें पागल कुत्ते ने काट लिया था। हर सम्भव उपचार के प्रयत्न के बाद जब डाक्टरों ने निराशा प्रकट कर दी तो ऐसे में आप अलै. ने ख़ुदा तआला से अत्यंत दर्द के साथ दुआ की और उस अवसर पर क़बूलियत दुआ की विशेष अवस्था भी मिल गई। अतएव कुछ ही देर बाद उस विद्यार्थी का स्वास्थय संभलना शुरु हो गया तथा कुछ दिनों के अन्दर अन्दर वह पूर्णतः ठीक हो गया।

हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने अल्लाह के समर्थन के निशानों की श्रंखला में डाक्टर अलैक्ज़ैन्डर डोई, ग़ुलाम दस्तगीर क़सूरी तथा चराग़ दीन जमूनी के उदाहरण भी पेश फ़रमाए।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- आज मुसलमान यदि इस वास्तविकता को समझ लें कि जो मसीह व महदी आने वाला था वह आ गया और आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का सच्च ग़ुलाम यही है और इसकी बैअत में आना आँहुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के आदेशानुसार आवश्यक है तो मुसलमान दुनिया में अपनी प्रतिष्ठा पुनः स्थापित कर लेंगे अन्यथा इनका वही हाल रहना है जो है।

हुज़ूरे अनवर ने फ़रमाया- रमज़ान के महीने में अहमदी जहाँ अपने लिए दुआएँ करें, जमाअत के लिए हर एक उपद्रव से बचने के लिए भी दुआ करें, वहाँ उम्मत के लिए भी दुआ करें। अल्लाह तआला इनकी आँखें खोले, इन्हें अंधेरों से निकले तथा इन्हें इस बात का आभास हो जाए कि ख़त्मे नबुव्वत के स्तर को वास्तविक रूप में जानने वाले हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद और महदी मअहूद आप अलै. ही हैं।

पाकिस्तान के अहमदियों को विशेषतः अपने देश के लिए भी दुआ करनी चाहिए तथा पाकिस्तानी अहमदियों के लिए भी दुआ करनी चाहिए। अल्लाह तआला उपद्रवियों, दुष्टों, स्वार्थी दलों तथा लीडरों से देश को बचाए। इसी तरह बर्कीना फ़ासो के अहमदियों के लिए दुआ करें, अल्लाह तआला उन्हें हर एक उपद्रव से सुरक्षित रखे। बंगला देश के अहमदियों को विशेष रूप से दुआओं में याद रखें, अल्लाह तआला हर शर से हर अहमदी को सुरक्षित रखे और हर अहमदी को दृढ़ संकल्प होने का सामर्थ्य प्रदान करे तथा ईमान एवं विश्वास में बढ़ाए।

दुनिया की तबाही से बचने के लिए भी दुआ करें, आजकल जो हालात है, दुनिया आग के दहाने पर खड़ी है। प्रत्यक्ष युद्धों की ओर भी बढ़ रही है इसके कारण भी विनाश आना है तथा नैतिक बुराईयाँ भी अपनी चरम सीमा को पहुंच चुकी हैं, और ये लोग अल्लाह तआला को जिस प्रकार छोड़ रहे हैं, ये अल्लाह तआला के प्रकोप को भड़काने वाले न बन जाएँ तथा इसके कारण अल्लाह तआला की यातना न इन पर नाज़िल हो।

अल्लाह तआला अहमदियों को हर शर से बचाए, अहमदियों को अपना कर्त्तव्य तथा दूसरों के हक़ अदा करने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाए और हर प्रकार के विनाश से बचाते हुए अपनी सुरक्षा तथा शरण में ले ले। (आमीन)

ख़ुत्बः के अन्त में हुज़ूर-ए-अनवर ने अलफ़ज़्ल इन्टर नैशनल के दैनिक होने की घोषणा फ़रमाई तथा इसे पढ़ने और ख़रीदने की प्रेरणा फ़रमाते हुए अलफ़ज़्ल में लिखन वालों के लिए भी दुआओं से परिपूर्ण वाक्यों का उच्चारण किया।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا
مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا
عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ
وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, सम्पर्क करें-9781831652
अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान के विषय में जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर-18001032131